पेपर कोड – 04

विषय कोड – AyUG-RB-II

बी०ए०एम०एस० द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा–2025

रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना

प्रश्न पत्र – द्वितीय

समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

Note : All questions are to be attempted.

बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक 1 अंक)

Multiple Choice Questions (Each question carries 1 mark)

1. आचार्य शारंगधर के अनुसार वमन एवं विरेचन कर्म हेतु औषधियों का संग्रह कब करना चाहिये :
According to Acharya sharangdhar Collection of raw drug should be done for Vaman & Virechan process :
(A) शरद के अन्त में / In Last of Sharad
(B) बसन्त के अन्त में / In Last of Basant
(C) ग्रीष्म के अन्त में / In Last of Grishma
(D) वर्षा के अन्त में / In Last of Varsha

2. आचार्य शारंगधर के अनुसार फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग किस रोग हेतु किया गया है :
According to Acharya sharangdhar Indication of Phaltrikaadi kwath is :
(A) कुष्ठ / Kushtha
(B) ज्वर / Jawar
(C) प्रमेह / Prameha
(D) मूत्रकृच्छ / Mutrakricha

3. त्रिफला रसायन का सर्वप्रथम उल्लेख किया है :
Triphala rasayan is described first by :
(A) रसरत्न समुच्चय / Rasratna Samuchchya
(B) सुश्रुत संहिता / Sushrut samhita
(C) भावप्रकाश / Bhavaprakash
(D) चरक संहिता / Charak Samhita

4. गंधक द्रुति का घटक द्रव्य है :
Which of the ingredient of Gandhak druti :
(A) व्योष / Vyosh
(B) वरा / Vara
(C) द्रावक गण / Dravak Gan
(D) इनमें से कोई नहीं / None of these

5. गंधक रसायन में कुल भावनाओं की संख्या होती है :
In Gandhak rasayan are Total no. of bhavanas :
(A) 22
(B) 88
(C) 77
(D) 66

6. लघुसूतशेखर रस का मुख्य घटक द्रव्य है :
Which of the main ingredient of Laghusootashekhar rasa :

(A) रजत
Rajat

(B) ताम्र
Tamra

(C) गैरिक
Gairik

(D) स्वर्ण
Swarn

7. ए०एफ०आई० के अनुसार अमृतादि गुग्गुलु का रोगाधिकार है :
According AFI Indication of Amritadi guggulu is :

(A) आमवात
Amavata

(B) रक्तगत वात
Raktagat vata

(C) वातरक्त
Vatarakta

(D) संधिवात
Sandhivata

8. त्रिफला घृत का रोगाधिकार है :
Indication of Triphala ghrita :

(A) कुष्ठ रोग
Kushtha roga

(B) पाण्डुरोग
Pandu roga

(C) विसर्प रोग
Visarpa roga

(D) नेत्र रोग
Eye disorder

9. रजत भस्म का वर्ण है :
Color of Rajat Bhasma is :

(A) श्वेत
White

(B) रक्त
Red

(C) पीत
Yellow

(D) कृष्ण
Black

10. गुडुची सत्व का वर्ण होता है :
Color of guduchi satva is :

(A) पीत
Yellow

(B) श्वेत
White

(C) हरित
Green

(D) कृष्ण
Black

11. अशुद्ध एवं अपक्व अभ्रक भस्म सेवनजन्य व्याधि शान्त्युपाय हेतु प्रयुक्त द्रव्य है :
Treatment of disease due to intake of mal processed Abhrak bhasma is :

(A) नारिकेलोदक
Narikelodak

(B) हंसोदक
Hansodak

(C) उमाफल
Umaphal

(D) धान्यक हिम
Dhanyak hima

12. टंकण का योग है :
Formulation of tankan is :

(A) आनन्द भैरव रस
Aanand Bhairav ras

(B) त्रिभुवनकीर्ति रस
Tribhuvan Kirti ras

(C) (A) और (B) दोनों
Both (A) & (B)

(D) इनमें से कोई नहीं
None of these

13. स्वर्णमाक्षिक का मुख्य तत्व है :
Which of these is the main element of Swarnamakshik :
(A) Al (B) Na
(C) As (D) Cu

14. भल्लातक सेवन से उत्पन्न विकारों के शमनार्थ विशेष सेवनीय हितकारक द्रव है :
Allergy produced by bhallatak is subsided by :
(A) तक्र
Takra
(B) हंसोदक
Hansodak
(C) षडंगपानीय
Shadangpaniya
(D) नारिकेलोदक
Coconut water

15. रस रत्न समुच्चय के अनुसार आरोग्यवर्द्धिनी वटी का भावना द्रव्य है :
According Ras Ratna Samuchchya Bhavna dravya of Arogyavardhini vati is :
(A) तुलसी स्वरस
Tulsi swaras
(B) घृतकुमारी स्वरस
Ghrita kumara swaras
(C) आर्द्रक स्वरस
Adraka swaras
(D) निम्बपत्र स्वरस
Nimba patra swaras

16. पंचामृत पर्पटी का रोगाधिकार है :
Indication of Bol parpati is :
(A) संग्रहणी
Sangrhani
(B) रक्तार्श
Raktarsh
(C) मूत्ररोग
Mutraroga
(D) मुखरोग
Mukhroga

17. शंख वटी का घटक द्रव्य है :
Ingredients of Shankh vati is :
(A) शुद्ध भल्लातक
Suddha Bhallatak
(B) शुद्ध वत्सनाभ
Suddha vatsnabh
(C) शुद्ध कुचला
Suddha Kuchala
(D) शुद्ध विजया
Suddha Vijya

18. आचार्य शारंगधर के अनुसार कांकायन वटी का रोगाधिकार है :
According to Acharya Sharangdhar, the disease authority of Kankayan Vati is:
(A) नेत्र रोग
Netra roga
(B) वातव्याधि
Vatavyadhi
(C) गुल्म रोग
Gulma roga
(D) इनमें से कोई नहीं
None of these

19. आचार्य शार्ङ्गधर के अनुसार कैशोर गुग्गुलु का रोगाधिकार है :
According Acharya Sharangdhar Rogadhikar of Kaishor Guggulu is :
(A) आमवात
Aamvat
(B) संधिवात
Sandhivat
(C) वातरक्त
Vatrakt
(D) कुष्ठ
Kushtha

20. अकाल पलित रोग में उपयोगी है :
Which is useful in Akal palit roga :
(A) त्रिफला मसी
Triphla masi
(B) हस्तीदंत मसी
Hastidant masi
(C) (A) एवं (B) दोनों
Both (A) & (B)
(D) इनमें से कोई नहीं
None of these

लघुउत्तरीय प्रश्न

Short Answer Question

निम्न प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 100 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

Answer should not give exceed 100 words of the following questions. Each question carries 5 marks.

21. रससिन्दूर के व्याधि अनुसार अनुपान लिखिए।
    Write the anupanas of Rassindoor according to diseases.
22. गुडुची घन एवं गुडुची सत्व के चिकित्सकीय उपयोग, मात्रा सहित लिखिए।
    Write the clinical uses with doses of Guduchi ghana & Guduchi satva.
23. शंखभस्म की चिकित्सिकीय प्रभाव, सेवन मात्रा एवं कार्यविधि लिखिए।
    Write the therapeutic effect, Doses & mode of action of Shankha Bhasma.
24. स्वर्णवंग के चिकित्सिकीय प्रभाव, सेवन मात्रा एवं कार्यविधि लिखिए।
    Write the therapeutic effect, Doses & mode of action of Swarnvanga.
25. संजीवनी वटी के घटक द्रव्य, सेवन मात्रा एवं आमयिक प्रयोग तथा कार्यविधि लिखिए।
    Write the ingredients, doses, clinical uses and mode of action of Sanjeevani vati.
26. च्यवनप्राश अवलेह की न्यूटास्यूटिकल के सन्दर्भ में महत्ता लिखते हुये कार्यविधि पर प्रकाश डालिये।
    Write the importance of Chyavanprash avaleha in reference to Neutraceutical and aslo enlighten on mode of action of its.
27. गुदामार्ग द्वारा औषध प्रयोग का परिचय देते हुए इस मार्ग द्वारा प्रयुक्त औषधीय कल्पनाओं का संक्षेप में कार्यविधि पर प्रकाश डालिये।
    Write the introduction of through Anal route aushadh prayoga marga and enlighten in brief of mode of action their dosage forms.
28. ASU & H drugs के सन्दर्भ में फार्मेकोविजिलेन्स के बारे में संक्षेप में लिखें।
    Write in brief about Pharmacovigilance programme of ASU & H drugs.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Long Answer Question

निम्न प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 300 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

Answer should not give exceed 300 words of the following questions. Each question carries 10 marks.

29. धात्री लोह की सेवन मात्रा, आमयिक प्रयोग, अनुपान तथा पथ्यापथ्यों का वर्णन कीजिए।
    Write the doses, clinical uses, anupanas and pathyapathyas of Dhatri Loha.
30. अभ्रकभस्म की, सेवन मात्रा, चिकित्सिकीय प्रभाव, पथ्यापथ्यों एवं अशुद्ध, अपक्व सेवनजन्य व्याधि तथा उनके शान्त्युपाय लिखिए।
    Write the doses, therapeutic effect, pathyapathyas and write also asudha apakv sevanjany vyadhi with their shantupaya of Abhrak Bhasma.
31. आनन्द भैरव रस के आमयिक प्रयोग, अनुपान, सेवन मात्रा तथा पथ्यापथ्यों का वर्णन कीजिए।
    Write the therapeutic uses, Vehicle, doses & pathyapathyas of Aanand Bhairav ras.
32. चित्रकादि गुटिका के आमयिक प्रयोग, अनुपान, सेवन मात्रा तथा पथ्यापथ्यों का वर्णन कीजिए।
    Write the therapeutic uses, Vehicle, doses & pathyapathyas of Chitrkadi Gutika.

●●●●